दिनांक 17.07.2010 को नेपाल हाउस सभागार में सम्पन्न 11वीं झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद की बैठक की कार्यवाही :–

उपस्थिति :– संलग्न।

झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद की 11वीं बैठक को प्रारम्भ करते हुए निदेशक, भूतत्व द्वारा अपने सम्बोधन में भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि 11वीं पचवर्षीय योजना में Low Volume एवं High Value Minerals के अन्वेषण पर बल दिया गया है। फलतः हमें PGM एवं हीरा खनिज के लिए अन्वेषण कार्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राज्य सरकार ने संसाधनों को दृष्टिगत रखते हुए इस अन्वेषण को सर्वश्री जी0एस0आई से कराने का प्रस्ताव भेजा है।

यह भी बताया गया कि गत वर्ष भूतत्व निदेशालय द्वारा लौह अयस्क एवं चूना पत्थर के भंडार तथा कोटि के निर्धारण हेतु रामगढ़ जिला में लादी–चिकोर क्षेत्र में कुल 0.39 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र में 39 से 43 प्रतिशत CaO गुणवता वाले 1.39 मिलीयन टन के चूना पत्थर के निक्षेप चिन्हित किये गये है। पश्चिमी सिंहभूम जिलान्तर्गत चाईबासा क्षेत्र में भूतत्व निदेशालय ने 0.6 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र पर विस्तृत मानचित्रण के उपरान्त 40 प्रतिशत से अधिक गुणवता वाले CaO की 6.56 मिलीयन टन चूना पत्थर का भंडार चिन्हित किया है।

निदेशक, भूतत्व द्वारा पर्षद के सदस्यों को अवगत कराया गया कि आज भूतत्व निदेशालय तकनीकी संसाधनों से एक परिपूर्ण निदेशालय है, जो सचिव, खान एवं भूतत्व के सार्थक प्रयासो से संभव हो सका है।

2. सचिव सह अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद द्वारा अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में राज्य सरकार के प्राथमिकताओं को विस्तार पूर्वक पर्षद के समक्ष रखा गया। उन्होने बताया कि झारखण्ड राज्य में देश का लगभग 35 प्रतिशत खनिजों का भंडार है, लेकिन इस प्रकार के भंडार वाले राज्यों में जिस प्रकार से भूतात्विक अन्वेषण एजेन्सियाँ काम कर रही है वह दुखद है। उन्होंने इस बात पर भी चिन्ता व्यक्त की कि सर्वश्री एम0ई0सी0एल0 एवं सर्वश्री एन0एम0डी0सी0 जैसी संस्थाएँ राज्य में भूतात्विक अन्वेषण कार्यो में ठोस अभिरूचि नहीं ले रही हैं।

3. सर्वश्री एम0ई0सी0एल0 के संदर्भ में उन्होंने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम के घाटकुरी क्षेत्र में वेधन कार्य हेतु उन्हें दो वर्ष पूर्व सरकार द्वारा राशि उपलब्ध करायी गयी, लेकिन आज तक वेधन कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। यह संस्थान अपने वाणिज्यिक एवं वैज्ञानिक दोनों ही दायित्वों के निर्वहन में असफल रही है। अन्वेषण कार्यो के प्रति इस प्रकार की उदासीनता पर उन्होंने गहरा असंतोष व्यक्त किया एवं सभी अन्वेषण एजेन्सियों को राज्य के खनिजों के अन्वेषण में सक्रिय रूप से कार्य करने पर बल दिया।

4. सचिव ने आगे अपने सम्बोधन में राज्य में स्वीकृत खनन् पट्टा क्षेत्रों में भंडार के पुर्नमूल्यांकन पर बल देते हुए बताया कि सर्वश्री सेल द्वारा अपने चिड़िया खनन् पट्टा क्षेत्रों में लौह अयस्क के भंडार को 2.0 बिलियन टन बताया जाता है जबकि भूतत्व निदेशालय द्वारा इसमें 10.00 बिलियन टन लौह अयस्क भंडार

का आकलन किया गया है। उन्होंने कहा कि भंडार की इस विभिन्नता पर आई0एस0एम0, धनबाद का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने इसी प्रकार योजनाबद्ध तरीके से सभी खनिजों के खनन् में खनिजों के भंडारों को पुर्नमूल्यांकित करने पर बल दिया।

5. सचिव ने राज्य में आने वाले उद्योगों के लिए खनिज की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा वर्त्तमान राज्य सरकार को चूना पत्थर, डोलोमाईट एवं पाईरोक्सजीनाईट जैसे खनिजों के भंडार आवश्यकता है। यदि इन खनिजों के भंडार की खोज नही की गयी, तो हमें इस्पात संयत्रों की स्थापना दिक्कतें होगी साथ ही इस्पात के उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

इसके अतरिक्त सचिव ने खनन् पट्टों का Geo-referencing चरणबद्ध तरीके से करने पर दिया। उद्योगों एवं कृषि क्षेत्र में जल की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए बन्द पड़े खदानों जल–जमाव के गुणवत्ता की जॉच पर बल दिया, ताकि इसका उपचार कर उद्योग, पेय जल एवं कृषि योग्य बनाया जा सके।

6. अन्त में सचिव ने कहा कि हम इस बात से अवगत है कि भूतात्विक अन्वेषण दल को स्थान ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में वैज्ञानिकों को पारम्परिक विधि को छ कर नवीनतम तकनिकी का उपयोग कर अन्वेषण करना चाहिए।

7. श्री आर0 आर0 प्रसाद, निदेशक, सर्वश्री जी0एस0आई0 ने अपने सम्बोधन में सचिव महोदय भरोसा दिलाया कि हम सभी वैज्ञानिक अपनी पूरी क्षमता के साथ अन्वेषण का कार्य करेगें। उन्होनें बता कि सर्वश्री जी0एस0आई0 के परिचालन हेतु झारखण्ड का कार्यालय राँची में खुल गया है, एवं कार्य बढ़ा है। उन्होंने बताया कि राँची जिला के तमाड़ क्षेत्र में स्वर्ण खनिज के विशाल भंडार पाये गये है, स । निदेशक, भूतत्व के अनुरोध पर PGM के अन्वेषण कार्य को प्रारम्भ करने जा रहे है। उन्होंने कहा पारम्परिक तरीके से किये जाने वाले भूतात्विक अन्वेषण का कोई विकल्प नहीं है। अन्य जितने भी तकनी वह सहायक की भूमिका में हो सकते हैं, लेकिन मुख्य कार्य, क्षेत्र में जा कर ही भू–वैज्ञानिकों को कर गा।

निदेशक जी0एस0आई0 ने यह भी कहा कि राज्य सरकार के भूतत्व निदेशालय के कार्य क्षमता काफी वृद्धि हुई है। बहुत सारे आंकड़े एवं मानचित्र जो भूतत्व निदेशालय के पास है, वह अ जी0एस0आई0 के झारखण्ड कार्यालय में नहीं है।

8. निदेशक, भूतत्व ने भूतात्विक अन्वेषण में वन विभाग से अनुमति पर होने वाले विलम्ब की अ ध्यान आकृष्ट करते हुए वन विभाग के प्रतिनिधि से कहा कि Forest conservation Act. 1980 के तहत किमी क्षेत्र पर 20–25 बोर हॉल के लिए अनापत्ति देने हेतु राज्य सरकार ही सक्षम है। अतः इस अनावश्यक विलम्ब न किया जाय। वन विभाग के प्रतिनिधि ने पर्षद को आश्वस्त किया कि इस कार्य कोई देरी नहीं की जायेगी।

9. बैठक में निदेशक भूतत्व के निम्नांकित प्रस्ताव पर सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई :–

(i) 10वीं भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद की बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि।

/

(ii) झारखण्ड राज्य में जी0एस0आई0 द्वारा किये जाने वाले कार्य :–

(A) Area a of East Singhbhum and Saraikela district in the vicinity of Singhbhum shear zone have domain of ultra mafic rocks. The geological studies reveal that contact zone of Achaean granite gneiss and ultra mafic have good prospect of PGE. The state Directorate does not have expertise in PGE, therefore GSI should take up this exploration on priority basis.

(B) Under 11th Five Year Plan emphasis has been given on exploration of fertilizer group of minerals, in which presently country is not self-sufficient. The area lying around Mahri, Chanriya and Bharnathpur localities of Bhabanathpur block of Garhwa district have reported occurrences of phospharite. Joint Exploration with DGM, Jharkhand is proposed on these area.

(C) Piezoquartz has wide application in electronics, electrical and applied industries. No of intrusive quartz/quartzite have been reported from various localities in Hazaribagh, Giridih, Simdega and Koderma districts of the state. These intrusive bodies have reported occurrence of Piezoquartz. The state DGM does not have expertise in studies of Piezoquartz, therefore this programme is proposed for GSI.

(D) In the State of Jharkhand there are number of old working mines of Coal under command area of CCL and BCCL. These mines have very good storage capacity of water which can be utilized for irrigation as were as drinking purpose. By the progress of acid mines drainage these bodies have been polluted by over burden dump of coal. Therefore a through environmental studies is urgently required to reclaim and re-utilized these water bodies. GSI have excellent trace record of environmental studies and can be of great help in this matter. These studies can be taken up in collaboration mode with DGM, Jharkhand.

ii) भूतत्व निदेशालय द्वारा बन्द पड़े खदान के जल जमाव एवं उसके गुणत्व जाँच में सी0जी0डब्लू0जी0 द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करने।

v) आई0एस0एम0 के प्रो0 वेंकटेश के अनुरोध पर Geo-Statistical पर राज्य सरकार के भूतत्ववेत्ताओं का प्रशिक्षण।

अमल

(v) सी0जी0डब्लू0बी0 के अनुरोध पर Rain water Harvesting के लिए प्रस्ताव एवं पत्र दिया जायेगा।

(vi) जी0एस0आई0 के अनुरोध पर प्रशिक्षण संस्थान को राज्य के पदाधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण हेतु प्रस्ताव दिया जायेगा।

10. अन्वेषण की प्रस्तुतीकरण :–

(i) भूतत्व निदेशालय

निदेशक, भूतत्व द्वारा बताया गया कि क्षेत्रीय सत्र 2009–10 में भूतत्व निदेशालय द्वारा चूना पत्थर, लौह अयस्क, मैगनेटाईट, बॉक्साईट, क्वार्ज, सोपस्टोन एवं कोयला खनिज के लिए अन्वेषण कार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त बन्द पड़े खदानों में जल जमाव के गुणवत्ता की जाँच के साथ–साथ राज्य के बॉक्साईट के सम्पूर्ण क्षेत्र को Remote Sensing प्रणाली से चिन्हित कर मानचित्रण किया जा रहा है। चूना पत्थर एवं Remote Sensing से सम्पादित कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

(ii) **भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण :–**

भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य में Geo-Chemical Mapping एवं तमाड़ क्षेत्र में स्वर्ण खनिज के अन्वेषण पर चल रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

(iii) **केन्द्रीय भू–जल बोर्ड :–**

बोर्ड के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि उनका प्रतिष्ठान राज्य में Rain water harvesting एवं Artificial recharge का कार्य कर रहा है।

(iv) **सर्वश्री ओ0एन0जी0सी0 :–**

सर्वश्री ओ0 एन0 जी0 सी0 के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया है कि उनका प्रतिष्ठान राज्य में पाँच ब्लॉक में सी0बी0एम0 के लिए कार्य कर रहा है, जिसका प्रस्तुतीकरण किया गया।

11. सुझाव :–

बैठक में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा निम्नांकित सुझाव दिए गए है, जिस पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया :–

(i) भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान के भू–वैज्ञानिक श्री यू0 पी0 सिंह ने हजारीबाग जिला क्षेत्र में अवस्थित दुधियानाला सेक्सन के संरक्षण हेतु सुझाव दिया। दुधियानाला सेक्सन Talchir facies के विभिन्न घटनाएँ संरक्षित है, जिसे वहाँ पर चलाए जा रहे ईट भठ्ठो से खत्म होने का खतरा है। जिसे Geological Monument घोषित किया जाय।

(ii) भारतीय खान व्यूरो के क्षेत्रीय नियंत्रक श्री तिरू ने कहा कि भारतीय खान व्यूरों राज्य के मैगनेटाईट खनिज को beneficiate कर Up grade करने हेतु Pilot Project बनाना चाहती है। अतः उस क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में नमूनों को संग्रहण कर भारतीय खान व्यूरो नागपुर भेजा जाय।

बैठक का समापन श्रीमति कुमारी अंजलि, उप निदेशक, भूतत्व, के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया।

(एन0 एन0 सिन्हा)
सचिव–सह–अध्यक्ष
झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद

ज्ञापांक – 1302 रॉंची/दिनांक 24/7/10

प्रतिलिपि :– झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद के सभी सदस्यों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

(जय प्रकाश सिंह)
निदेशक, भूतत्व–सह–सदस्य सचिव
झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद

fnukad 17-07-2010 dks jk¡ph esa lEiUu **>kj[k.M jkT; HkwrkfRod dk;ZØe Ik”kZn** dh 11oha cSBd esa Hkkx ysus okys inkf/kdkfj;ksa@izfrfuf/k;ksa dh mifLFkfr %&

Ø0	uke@inuke	izfr”Bku dk uke
1	श्री एन0एन0 सिन्हा, सचिव–सह–अध्यक्ष झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद, रॉंची	खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड सरकार।
2	श्री जय प्रकाश सिंह, निदेशक, भूतत्व–सह–सदस्य सचिव, झारखण्ड राज्य भूतात्विक कार्यक्रम पर्षद, रॉंची।	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग झारखण्ड, रॉंची।
3	श्री विपीन बिहारी सिंह, निदेशक, खान।	खान निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग झारखण्ड, रॉंची।
5	श्री आर0 के0 प्रसाद, निदेशक	जी0एस0आई0, अशोक नगर, रॉंची।
6	श्री एस0एल0एस0 जागेश्वर, निदेशक	भूगर्भ जल निदेशालय, जल संसाधन विभाग, रॉंची।
7	श्री भी0 एन0 बैठा, अपर निदेशक, खान	खान निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग

		झारखण्ड, राँची।
8	श्री आर0 ए0 गुप्ता, प्रबंधक भूतत्व	एम0ई0सी0एल0, राँची।
9	श्री जयन्त कुमार, प्रबंधक भूतत्व	एम0ई0सी0एल0, राँची।
10	श्री मो0 नासिम अंसारी, डिप्टी मैनेजर भूतत्व	एन0एम0डी0सी0, हैदराबाद।
11	श्री संजय कुमार चौधरी, सहायक प्रबंधक	एन0एम0डी0सी0, हैदराबाद।
12	श्री एस0आर0 किस्कू, निदेशक	भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण, परिचालन झारखण्ड राँची।
13	श्री एस0 के0 दास, वरीय भूतत्ववेत्ता	भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण, परिचालन झारखण्ड राँची।
14	श्री शशि रंजन, भूतत्ववेत्ता	भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण, परिचालन झारखण्ड राँची।
15	डॉ0 विवेक कुमार सिंह, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक	भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण, परिचालन झारखण्ड राँची।
16	डॉ0 विजय सिंह, प्रोफेसर, भूगर्भ शास्त्र	भू–गर्भ शास्त्र विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची
17	श्री ए0 नन्दी, डी0सी0ओ0एम0 एण्ड ओ0आई0सी0	भारतीय खान व्यूरों, राँची।
18	श्री राजा सिंह, ए0एम0जी0	भारतीय खान व्यूरों, राँची।
19	श्री टी0वी0एन0 सिंह, वरीय हाइड्रो जियोलॉजिस्ट	केन्द्रीय भू–जल पर्षद, राँची।
20	श्रीमती रोज अमिता कुजूर, कनीय हाइड्रो जियोलॉजिस्ट	केन्द्रीय भू–जल पर्षद, राँची।
21	श्री एस0 उपाध्याय, वैज्ञानिक	सी0जी0डबलू0बी0, पटना।
22	श्री0 ए0 के0 अग्रवाल, वैज्ञानिक	सी0जी0डबलू0बी0, पटना।
23	श्री एस0 एन0 सिन्हा, वैज्ञानिक डी0	सी0जी0डबलू0बी0, पटना।
24	श्री अमिताभ चक्रवर्ती, चिफ जियोलॉजिस्ट	ओ0एन0जी0सी0 बोकारो।
25	श्री दिलीप चक्रवर्ती, चिफ जियोलॉजिस्ट	ओ0एन0जी0सी0 बोकारो।
26	डॉ0 ए0 एस0 विंकटेश, असोसिएट प्रोफेसर	आई0एस0एम0, धनबाद।
27	श्री आर0 आर0 हेम्ब्रम, सी0सी0एफ0	वन एवं पर्यावरण विभाग, राँची।
28	श्री यू0 पी0 सिंह, वरीय भूतत्ववेत्ता	जी0एस0आई0 प्रशिक्षण केन्द्र, राँची।
29	श्रीमती कुमारी अंजलि, उप निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।

30	श्री निर्मल कुमार सिंह, उप निदशक, वेधन	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
31	श्री विजय कुमार ओझा, उप निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
32	श्री शरद कुमार सिन्हा, उप निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
33	श्री आशुतोष प्रसाद, उप निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
34	श्री गणेश प्रसाद भावसिंका, उप निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
35	श्री संतोष कुमार सिंह, सहायक निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
36	श्री अनुज कुमार सिन्हा, सहायक निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
37	श्री मनोज कुमार, सहायक निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
38	श्री अशोक कुमार तिवारी, सहायक निदेशक, भूतत्व	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
39	श्री आई0एम0 असदुल्लाह, उप निदेशक, प्रयोगशाला	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
40	श्री ललित कुमार, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
41	श्री अरूण कुमार, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
42	श्री मो0 रियाजुद्दीन, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
43	श्री एम0 पी0 शर्मा, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
44	श्री एच0एन0 कुण्डू, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
45	श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
46	श्री कुमार अमिताभ, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
47	श्री राजेश कुमार पाण्डेय, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
48	श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह, भूतत्ववेत्ता	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
49	श्री अमर नाथ मिश्रा, विज्ञान पदाधिकारी	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
50	श्री कमल किशोर शरण, विज्ञान पदाधिकारी	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।
51	श्री मेघनाथ रजक, रसायनज्ञ	भूतत्व निदेशालय, खान एवं भूतत्व विभाग, राँची।